टहिरी बांध

चर्चा में क्यों?

24 सतिंबर, 2021 को टहिरी बांध जलाशय को पहली बार 830 मीटर ऊँचाई तक भरा गया।

प्रमुख बदिु

- गौरतलब है कि **टहिरी जलवद्यिुत परयिोजना** के तहत अभी तक इसे 828 मीटर तक ही भरा जाता है, कतिु अगस्त महीने में ही सरकार से अनुमति मलिने के बाद जल के स्तर में वृद्धि की गई। इससे टहिरी हाइड्रो प्रोजेक्ट अपनी पूरी क्षमता से वद्यिुत उत्पादन कर पाएगा।
- उल्लेखनीय है कि पारस्थितिकीविदों द्वारा हमिालयी क्षेत्र में बाँधों के नरि्माण से आपदाओं की संभाव्यता को लेकर चति व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में हमिलयीय पारस्थितिकी की संवेदनशीलता को देखते हुए बाँधों के जलस्तर में वृद्धि गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है, जैसे हाल ही **नंदा देवी ग्लेशयिर के टूटने से तपोवन-वषि्णुगढ़ परयिोजना** के क्षेत्र में आपदा की स्थति उत्पन्न हो गई थी।
- **भागीरथी नदी** पर नरि्मति टहिरी बाँध एवं जल वद्यिुत परयिोजना का संचालन टहिरी हाइड्रो पॉवर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंडयिा लमिटिेड द्वारा कयिा जा रहा है।
- इस परयिोजना द्वारा वर्ष 2006 से वद्यिुत उत्पादन शुरू कयिा गया था। टहिरी जलवद्यिुत परसिर (2400 मेगावाट) के तीन घटक हैं-
- टहिरी बांध एवं जलवद्यिुत परयिोजना (1000 मेगावाट)
- कोटेश्वर बांध एवं जलवद्यिुत परयिोजना (400 मेगावाट)
- टहिरी पंप स्टोरेज प्लांट (1000 मेगावाट)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tehri-dam